

Ahar Udaipur Heritage Walk



Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur has always taken an initiative for perpetuation of its core values such as service to society and mankind also serves as a 'temple of inspiration' for future generations. Therefore MMCF has taken its responsibility of preserving the remarkable tangible and intangible cultural heritage very seriously. This enormous responsibility is fulfilled through a comprehensive and informed set of initiatives, one of which is 'Ahar' Udaipur Heritage Walk.

'Ahar' Udaipur Heritge Walk is an initiative taken forward by Maharana of Mewar Charitable Foundation in conjunction with YES Institute and supported by Udaipur Municipal Corporation for which an tripartite MOU has been signed. MMCF in it's Outreach Programmes has encourage many such events. The Foundation has been continuing its pace further getting engrossed in these kinds of activities for the conservation and restoration of structures which are useful to spread and preserve Indian culture, to promote research pertaining to history and to give a platform for everybody who collaborated and has been a part of it to contribute towards "Living Heritage".

The 'Ahar' Udaipur Heritage Walk is the story of the day's bygone but still creating an impact on the present. 'Ahar' is one of the largest rural bronze age sites of Ahar-Banas Culture of South Rajasthan. It was represented by various stone structures, hearths, copper/bronze objects and evidence of smelting and then, for the first time, it was named 'Ahar' Culture. Beginning from the Ahar Mound, it is the story of the great culture that was found to be in the oldest layer of the excavation, dating back to the bronze age of The Indus Valley Civlization. Then comes the Royal Cenotaphs (Mahasatya Ji), one of the largest cenotaph complexes among the other Medieval Rajput cenotaph covering an area of 3.02 hectare. The splendid architecture, beautiful Torans, Chattris and Chautras which recalls the contributions of the Maharanas of Mewar who lived here and devoted themselves for the good and betterment of the people. The walk continues through various walk spots, including Gangaudbhav Kund – which means the origin place of holy river Ganga and it is believed in Udaipur that river Ganga originated from here, Bhaktimati Meera Temple - built in 10th century has projected walls resting on high plinth and it is famous for its elevated plinth with intricate carvings and continuous panel of sculptures, Ahar Jain Temple - the first Teerthankara Aadinath, the 24th Mahaveera and a temple of Shantinatha and it ends to Traditional Musical Instruments Shops where traditional tie and die craftsmen inhabit and are still down the line carrying the valor in its tunes of the time that has passed but still remains in the air forever. This Heritage Walk is an initiative to further protect and promote crafts and folk art of Ahar.

The MMCF's goal is to be a world leader in heritage conservation and community inclusion. The Foundation often has to generate its own benchmarks for this goal. MMCF is keen to share its best-practice and conservation experience that has an ambitious knowledge transfer initiative in addition to its implementable conservation programme.





# MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

ted by

#### ABOUT THE WALK

The trail includes a series of vantage points within the Udaipur, offering spectacular views of its cultural, architectural and religious landscape. Udaipur is located on the banks of the historic Lake Pichola and the Aravali hills, distinct for its breathtaking views and natural terraces, proximity to reliable source of water and the strategic advantage it offered to the custodians of enstwhile Mewar. The trail takes one along the spaces that visually narrate the interaction between the natural environment and architectural structures. Each point in the trail is testimory to the interaction between the society and the built structures, and captures both the tangible and intangible values that make up the cultural landscape of Udaipur city.

YES CULTURE YES CULTURE YES CULTURE YES CULTURE YES CULTURE The protection of the promotion, development and conservation of India's cultural heritage. YES Institute is the practicing think-tank of YES Bank. YES Culture is positioned to drive inclusive socio-economic development through the promotion of creativity and innovative Indian arts. We engage with the government, industry, and academia to foster synergies between stakeholders.

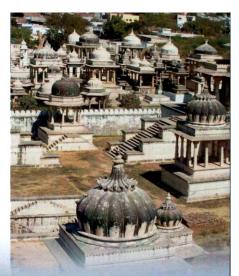
Website: www.yesinstitute.in | E-mail: yes.culture@yesinstitute.in





MAHARANA OF MEWAR CHARITABLE FOUNDATION

The City Palace Udalpur 313 001, Rajasthan - India Telephone: +91 294 241 9021 - 29 Extri: 2219 | Fax: +91 294 241 9020 utesh.dungerwal@eternalmewar.in | www.eternalmewar.in

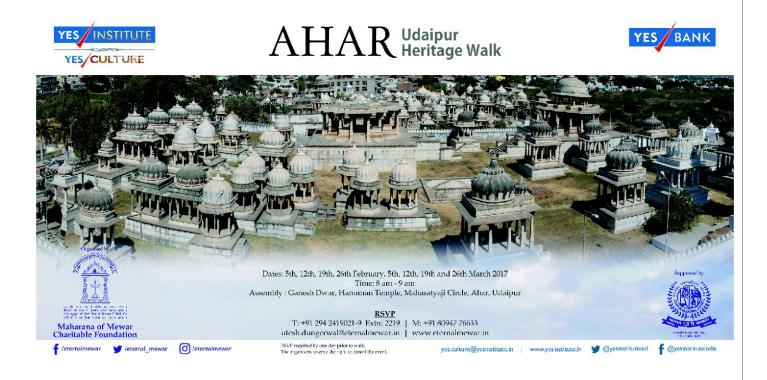


# Udaipur Heritage Walk





Ahar Udaipur Heritage Walk



### Newspaper Clippings

rajasthanpatrika.com ()6 राजस्थान पत्रिका . उदयपुर : गुरुवार. 19.01.2017

# पहली बार वॉलसिटी से बाहर होगी हेरिटेज वॉक, निगम ने किया करार

#### आयड़ क्षेत्र में <mark>तीन</mark> महीने में होगी 12 वॉक

raiasthan

#### पत्रिका न्यूज़ नेटबर्क

trika.con

उदयपुर. शहर के आयड क्षेत्र में अगले तीन महीनों में 12 हेरिटेज वॉक के आयोजन होंगे। नगर निगम वॉल सिटी के बाहरी क्षेत्र में पहली बार ऐसा आयोजन शुरू करने जा रहा है। इसके लिए बकायदा निगम ने अनुबंध किया है। यह अनुबंध निगम, महाराणा मेवाड चेरिटेवल फाउण्डेशन और यस बैंक के बीच हुआ है। निगम से सहापीर चन्द्रसिंह कोठारी, आयुक्त सिद्धार्थ सिहाग, फाउण्डेशन के प्रतिनिधि सुधीर मथा व बैंक प्रतिमिधि कोमल सिंघवी ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। विरासत सरक्षण समिति की अध्यक्ष मंदाकिनी धायभाई ने बताया कि हेरिटेज वॉक की तैयारी के लिए पूरी रणनीति तय की जाएगी। अधिशाषी अभियन्ता



जगर निगम में हैरिटेज बॉक को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर करते महापौर व अन्य।

#### यह रहेगा वॉक का मार्ग

अयुङ क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक स्थलों और इमारतों के अलावा गंगू कुण्ड, महस्तिमा, आयुइ जेन मंदिर ऑदि।

#### भौतरी शहर में वॉक अभी तक बंद

निगम ने शहरी क्षेत्र में जग्दीश चौक से शुरू की हैरिटेज चॉक को अनुबध उत्तम होने के बाद आगे नहीं बढ़ाया है। इसके लिए फिर टेंडर किए गए, लेकिन जो फर्म आई वह गिगम ने राशि लेना चाहती थी। ऐसे में टेंडर सफल नहीं हुए है और वॉक बंब ही पड़ी है।

मनोष अरोड़ा ने घताया कि इसके और आयोजन फिलहाल लिए प्रचार-प्रचार भी किया जाएगा निःशुल्क रहेगा।

### जरा राजस्थान दिनांकः 19 जनवरी, 2017 पेजः 4 हेरिटेज वॉक आयइ के संबंध में किये एम.ओ यू.एर संयुक्त हस्ताक्षर

उदयपुर, 18 जनवरी। हेरिटेज वॉक आयड़ के संबंध में बुधवार सांय को नगर निगम, महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं यश ँक के संयुक्त तत्वावधान में महापौर कक्ष में महापौर चन्द्रसिंह कोठारी एवं महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के प्रतिनिधि सुधार मुथा एवं यश बैंक के प्रतिनिधि कोमल सिंधवी द्वारा एम.ओ.यू.पर संयुक्त हस्ताक्षर किये गये। विरासत संरक्षण समिति अध्यक्ष मंदर्गकेनी धायभाई ने बताया कि आयड, गंगु कुण्ड, महासत्या, आयड़ जैन मंदिर आदि 12 हेरीटेज वॉक का तीन माह में संचालन किया जायेगा । इस वॉक का संचालन नगर विगम के सहयोग से महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन व यश बैंक के माध्यम से कराया जायेगा ।

इस अवसर पर विरासत संरक्षण समिति समिति स्दस्य पंकज भण्डारी, गणपत सोनी, रेखा जैन, रेखा पालीवाल, नमीता टांक एवं निगम के अधिशाषी अभियन्ता मनीष अरोडा उपस्थित थे।

### MMCF Dossier January - April 2017



Ahar Udaipur Heritage Walk

**Eternal Mewar News** 



सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

शहर के पर्यटन महत्व के स्थलों पर 12 हेरिटेज वॉक के लिए पाथ बनाने के लिए बुधवार को नगर निगम मेयर चंद्रसिंह कोठारी, महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के सुधीर मूथा और यस बैंक के कोमल सिंघवी ने एमओयू साइन किए।

नंगर निगम की विरासत संरक्षण समिति की अध्यक्ष मंदाकिनी धाबाई ने बताया कि आयड़, गंगू कुंड, महासतियां और आयड़ स्थित जैन मंदिर को जोड़ते हुए 12 हेरिटेज वॉक के लिए पाथ 3 माह में बनाए जाएंगे। विरासत संरक्षण समिति के सदस्य पंकज भंडारी, गणपत सोनी, रेखा जैन, रेखा पालीवाल, नमिता टांक और अधिशासी अभियंता मनीष अरोड़ा एमओयू के दौरान मौजूद थे।

# **2 उदयपुर एक्सप्रेस** उदयपुर, गुरुवार 19 जनवरी, 2017 नगर निगम में एमओयू पर हस्ताक्षर

उदयपुरा। हेरिटेज वॉक आयड़ के संबंध में बुधवार सांय को नगर निगम, महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं यस बैंक के संयुक्त तत्वावधान में महाराँग कक्ष में महापौर चन्द्रसिंह कोठारी एवं महाराणा मेवाड़ वेरिटेबल फाउण्डेशन के प्रतिनिधि सुधीर सुधा एवं यस बैंक के प्रतिनिधि कोमल सिंघवी द्वारा एम ओ.यू.पर संयुक्त हस्ताक्षर किये गये। विरासत संरक्षण समिति अध्यक्ष मंदाकिनी धायभाई ने बताया कि आयड़, गंगु कुण्ड, महासत्या, आयड़ जैन मंदिर आदि 12 हेरीटेज वॉक का तीन माह में संचालन किया जायेगा। इस वॉक का संचालन नगर निगम के सहयोग से महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन व यस बैंक के माध्यम से कराया जायेगा। इस अवसर पर विरासत संरक्षण समिति समिति सरिस्य पंकज भण्डारी, गणपत सोनी, रेखा जैन, रेखा पालीवाल, नमीता टांक एवं निगम के अधिवाणी अभियन्ता मनीष अरोड़ा उपस्थित थे। दैनिक नवज्योति उदयपुर ब गुरुवार ब १९ जनवरी, २०१७ २ 72 दिनों में 12 हेरिटेज वॉक के लिए हुआ एमओयू

निगम, एमएमसीएफ व यस बैंक प्रतिनिधियों ने किए हस्ताक्षर



उदयपुर। आयड़ में हेरिटेज वॉक को लेकर बुध्वार को नगर निगम, महाराणा मेवाड चेरिटेबल फाउंडेशन व यस बैंक ने एमओय पर हस्ताक्षर किए। विरासत संरक्षण की अध्यक्ष मंदाकिनी धायभाई ने बताया कि 72 दिनों में 12 हेरिटेज वॉक के लिए यह एमओयू हुआ है। सब कुछ सही रहा तो इसके आगे रिनिवल करवाया जा सकता है।एमओयू के अनुसार मुख्य रूप से एमएमसीएफ और यस बैंक का ही इसमें कॉर्डिनेशन रहेगा, जबकि निगम सिर्फ एक एजेंसी की तरह काम करेगी। इस दौरान आयड़ क्षेत्र के 12 स्थानों पर वॉक करवाई जाएगी। बुधवार को मेयर कक्ष में हुए इस एमओय में निगम की तरफ से मेयर चंद्रसिंह कोठारी, एमएमसीएफ की तरफ से सुधीर मुथा तथा यस बैंक की तरफ से कोमल सिंघवी ने हस्ताक्षर किए हैं। गौरतलब है कि पूर्व में भी निगम ने एक एनजीओ के माध्यम से हेरिटेज वॉक का संचालन किया था, लेकिन भीतरी शहर में गंदगी और अव्यवस्था के चलते यहां पर्यटकों का रुझान नहीं रहा। इस बार निगम प्रबंधन ने आयड़ क्षेत्र में ही हेरिटेज वॉक करवाने का निश्चय किया। इसके अंतर्गत यह एमओयु किया गया है। इधर. हाल ही में उदयपुर में प्रदेश स्तरीय निकाय अध्यक्षों की बैठक में एमएमसीएफ के

अरविंद सिंह मेवाड़ ने विरासत संरक्षण को लेकर आश्वासन दिया था कि वे इस दिशा में निगम के साथ मिलकर कार्यकरेंगे।उसकीपालना मेंएमएमसीएफ ने एमओयू में रुचि दिखाई है।इस अवसर पर विरासत संरक्षण समिति सदस्य पंकज भण्डारी, गणपत सोनी, रेखा जैन, रेखा पालीवाल, नमीता टांक एवं निगम के अधिषाषी अभिवन्ता मनीष अरोड़ा उपस्थित थे।

इन स्थानों पर होगी वॉकः विरासत संरक्षण समिति की अध्यक्ष मंदाकिनी धायभाई ने बताया कि एमओयू के तहत आयड़ के गंगु कुंड, महासतिया, आयड के दोनों जैन मंदिर सहित संबंधित क्षेत्र में होने वाले कार्य जैसे तबला एवं वाद्य यंत्रों का बनाना आदि भी वॉक में शामिल किया गया है। बताया गया कि इसमें हेरिटेज वॉक में शामिल होने वाले ग्रप आदि के लिए नाश्ते की व्यवस्था रहेगी। बहरहाल, इस बार निगम ने फिर हेरिटेज वॉक को लेकर एमओयू किया है, लेकिन व्यवस्थाओं की लाचारी के चलते हर बार मुंह की खानी पड़ी है। देशी विदेशी मेहमानों द्वारा पूर्व में शुरू की गई वॉक के दौरान डर्टी स्ट्रीट आदि कमेंट्स लिखे जाते थे। बावजूद इसके भी व्यवस्था नहीं सुधरी। इस बार तीन एजेंसियों ने इसे पूरा करने का लक्ष्य उठाया है।



### MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

# Walk No. 1 : 5th February 2017



















Ahar Udaipur Heritage Walk

### **Newspaper Clippings**

### दैनिक भारकर, उदयपुर शुक्रवार 10 फरवरी, 2017

# आयड़ में 12 को शुरू होगा हेरिटेज वॉक का सफर

उदयपुर | आयड़ स्थित महासतियां परिसर और आसपास के स्थानों को शामिल किए गए हेरिटेज वॉक पर घूमने की सुविधा रविवार से मिल सकेगी। निगम की विरासत समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत हेरिटेज वॉक को संचालित करने यश बैंक और महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन भी सहयोग देगा। इस सुविधा के शुरू होने से शहर में आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों महासतियां को भी देख सकेंगे। वर्तमान में जानकारी के अभाव में नाम मात्र के पर्यटक ही महासतियां को देखने पहुंच पाते हैं। आयड़ स्थित महासतियां उदयपुर के राज परिवार के प्रमुखों का दाह स्थल है। इस परिसर में कलात्मक छतरिया बनी होने के साथ ही गंगोद्धव कुंड भी स्थित है।

### **Guest Comments**

Dear Utesh,

At the outset, let me thank you for making me a part of the heritage walk we had this morning. I really enjoyed it and also loved the energy you all contribute to the promotion and conservation of our rich heritage. The walk was well arranged and guided by a professional that made the entire experience absorbing. Thank you.

Regards,

Bipin Chobhe

Managing Director, C.C Engineers Pvt. Ltd.

1087 Model Colony, Pune 411016, India

Cell: +91 9158555453

## rajasthanpatrika.com

राजस्थान पत्रिका . उदयपुर . शुक्रवार. 10.02.2017

# हैरिटेज वॉक का शुभारंभ 12 को

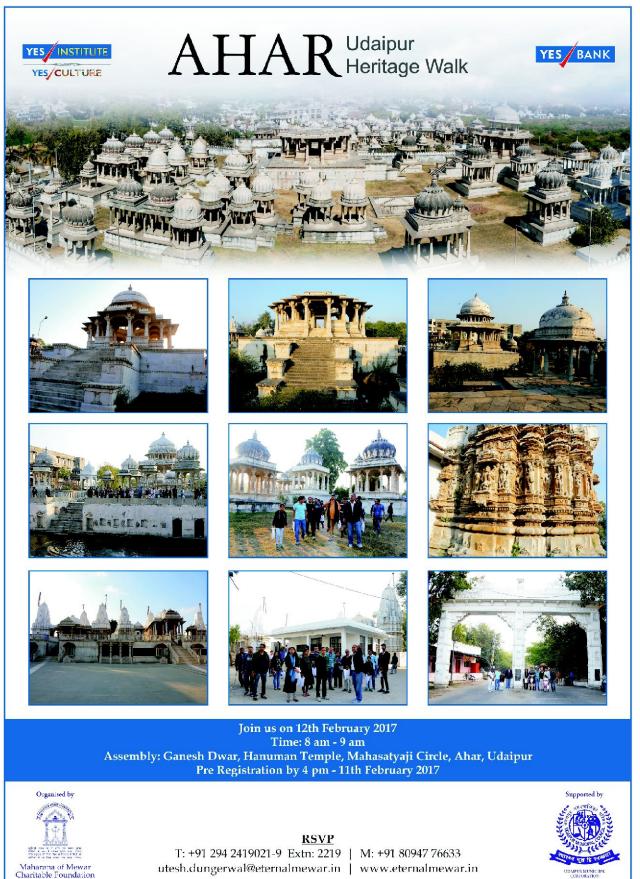
उदयपुर • नगर निगम की ओर से आयड़ स्थित महासतिया क्षेत्र में हैरिटेज वॉक का शुभारंभ 12 फरवरी सुबह आठ बजे होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आयड़ संग्रहालय से किया जाएगा।



MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 2 : 12th February 2017



The second secon

yes.culture@yesinstitute.in | www.yesinstitute.in 🍯 @ycsinstitutcind 🧗 @ycsinstitutcincia



### MMCF Dossier January - April 2017



















### MMCF Dossier January - April 2017



















Ahar Udaipur Heritage Walk

### **Newspaper Clippings**

### 2 RAJASTHAN THE TIMES OF INDIA, JAIPUR SUNDAY, FEBRUARY 12, 2017 Heritage walk to explore Ahar civilization

Udaipur: With an aim to bring alive the diverse elements of city's living heritage, be it traditional temples, monuments, crafts or culture, Udaipur Municipal Corporation in collaboration with Maharana Mewar Charitable Foundation has planned to organise heritage walks in Ahar area.

Geetha Sunil Pillai TNN

The first walk will be held on Sunday wherein tourists would get an opportunity to experience the glory of Udaipur along with 4,000 years old



because of their its association with funerals of the royal family

historic civilization of Ahar. "The heritage walk will offer a collection of rich history and culture of ancient Ahar civilization. The tour has seven pausing vintage points namely Ahar mound, Royal Cenotaphs at Mahasatya, Gangu Kund, Meera temple, Jain temples, 52 Jinalayas and the traditional musical instrument makers' colony,"Udaipur mayor Chandra Singh Kothari told TOI.

Records claim that Ahar living heritage was an uninhabited civilization known as Tambavati Nagari of Tam-

ravats. Archeological Muse um in Ahar is a popular attraction which was constructed to preserve the excavated items of ancient period. The museum houses an unusual assortment of antiques that dates back to the 10th century. Soak pits, about 2000 year old. have also been discovered in one of the trenches which depict sense of hygiene among early historic people of this region. Ahar cenotaph complex is a unique structure built under the royal patronage of Mewar dynasty in memory of their forefathers.



# दैनिक नवज्योति उदयपुर 🖩 सोमवार, १३ फरवरी, २०१७ 5

# उदयपुर हेरिटेज वॉक में शुमार हुआ आहड़ महासतिया



महासतिया पर हेरिटेज वॉक का उद्धाटन करते नगर निगम के महापौर चन्द्रसिंह कोठारी।

उदयपर तथा यश बैंक के तत्वावधान

में आहड महासतिया पर रविवार प्रातः

हेरिटेज वॉक का उद्घाटन नगर निगम

के महापौर चन्द्रसिंह कोठारी ने किया।

इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों,

गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड

महासतिया की हेरिटेज वॉक करवाई

गई।इसमें उपस्थित गाइडों ने पूर्व राजपरिवारों की छतरियों, गंगोद्धव कुण्ड, मीरां मंदिर,

जैन मंदिर, मठ के साथ ही महासतिया

के सामने वर्षों पूर्व संचालित की जा

रही पारंपरिक वाद्य यंत्रों की स्थानों का

अवलोकन करवाया।

उदयपुर। शहर में जीवंत विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य कर रही महाराणा मेवाड़ चेरिटेल फाउण्डेशन उदयपुर ने विरासत संरक्षण की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए शहर की प्राचीन स्थित आहड़ महासतिया को पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया है। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि जीवंत विरासत को आगे बढ़ाने के लिए महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल पफाउण्डेशन उदयपुर, नगर निगम

# भाषति अप्र सोमवार 13 फरवरी, 2017 जि हेरिटेज वॉक में शुमार हुआ आहड़ महासतिया



उदयपुर। उदयपुर शहर में जीवत विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य कर रही महाराणा मेवाड़ चेरिटेल फउण्डेशन ने विरासत संरक्षण की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए शहर की प्राचीन आहड़ महासतिया को पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया है। फउण्डे शन के मुख्य प्रशासनिक

पाउण्डरान के नुख्य प्रेरासानक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि जीवंत विरासत को आगे बढ़ाने के लिए महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल पाउण्डेशन, नगर निगम तथा यश बैंक के तत्वावधान में आहड़ महासतिया पर रविवार प्रात: हेरिटेज वॉक का उद्घाटन नगर निगम के महापौर चन्द्रसिंह कोठारी ने किया।

इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों, गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड़ महासतिया की हेरिटेज वॉक करवाई गई। इसमें उपस्थित गाइडों ने पूर्व राजपरिवारों की छतरियों, गंगोद्धव कुण्ड, मीरां मंदिर, जैन मंदिर, मठ के साथ ही महासतिया के सामने वर्षों पूर्व संचालित की जा रही पारंपरिक वाद्य यंत्रों के स्थानों का अवलोकन करवाया।

इस अवसर पर नगर निगम के पार्षद, यश बैंक के अधिकारी एवं चेरिटेबल फाउण्डेशन के पदाधिकारी उपस्थित थे।



Ahar Udaipur Heritage Walk

### **Guest Comments**

Dear MMCF,

It was indeed a welcome step to start the Ahar Heritage Walk that too with the participation of MMCF+Yes Bank+UMC and tourist guides- such wide-spectrum participation will ensure its success. I had privilege of attending the premier as well as the next two Heritage Walks (HW) of this truly heritage site. I wish the Rajasthan Government Department of Archaeology & Museum is also "roped in" (yes, some persuasion and convincing would be needed for it), so that the Museum & Dhoolkot Excavations also become part of the HW-this office remains open on Sundays, office timing could be changed to 8:00 hr to 13:00 hr.

Ahar, also known as Ahaad, Anandpur, Aghatapur, Tambavati Nagri (Copper-Town) has pre-historic, proto-historic & historic aspects and its importance lies in the fact that Ayad is a STILL-SURVIVING habitation, although its contemporary Mohenjo-Daro & Harappa went extinct long back. It ranks amongst the oldest "continuously inhabited" human settlements-as also the other Banas Basin habitations. Ayad has ancient civil structures like Gangodbhav Kund, Shiv Temple with water body around it, intricately carved Vishnu Temple, and celebrated Jain Temple Complex. It is well-known because of pre-historic (>4000 year-old) civilization buried under several layers of rapid-burial Ayad River flood-soil debris. Ayad was a flourishing trading town located on a centuries-old, well-trodden trade route of ancient Bharat. Ayad finds mention in Samraat Ashok's (304-232 BCE) documents as an important source of revenue from metal resources (Pali-Ahaley) and was well connected to coastal Gujarat, Malwa & rest of Indian republics. Post-8th century references are aplenty. Ayad was capital of Mewar for nearly 200 year in 10-12 centuries when 17 Rawals ruled Mewad from here. This location deserves to be promoted as a UNESCO World Heritage Site (WHS). Since 1620 CE it also the Mahasatiya (the great-truth, cremation ground) of the Mewar Royals.

I am also sharing two of my favorite images of this unique site.

Best wishes,

#### Dr. Pushpendra Singh Ranawat

Former Professor, Dean Student Welfare, Chairman Sports Board & UGC-Emeritus Fellow Mohanlal Sukhadia University (MLSU), Udaipur



Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 3 : 19th February 2017

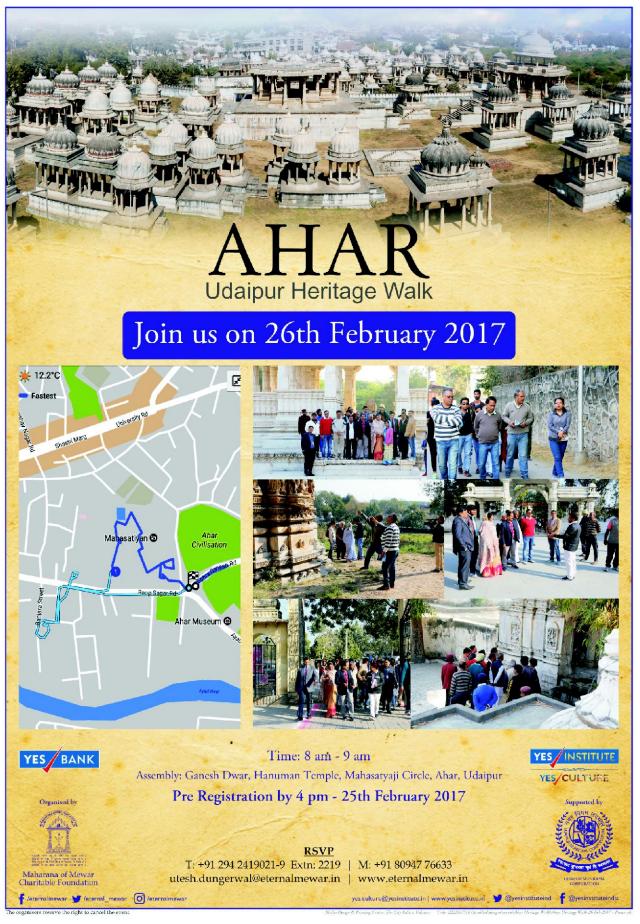




MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 4 : 26th February 2017





### MMCF Dossier January - April 2017















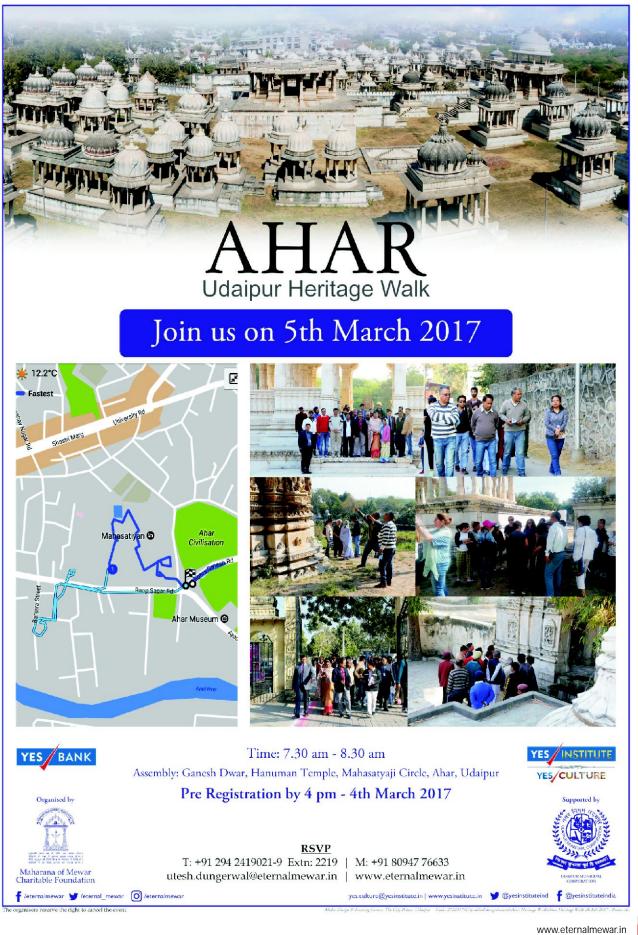


MMCF Dossier January - April 2017

15

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 5 : 5th March 2017





Ahar Udaipur Heritage Walk

## **Guest Comments**

Sir.

I attended Ahar Heritage Walk on 5th March, Organized by Eternal Mewar and MMCF. It was an unforgettable experience. The knowledge which I got on this event was so useful and unique. The guide of this walk elaborated each and every thing in very detail and He discovered many unknown facts about Ahar civilization and Mahasatiya. I an making my friends aware of this event and I recommend that everyone must attend it. I admire the efforts done by Eternal Mewar and MMCF for the heritage of Udaipur. Hope this kind of activities will be continued. Thanks.

Anurag Mehta (Udaipur)

anurag\_guitar@rediffmail.com

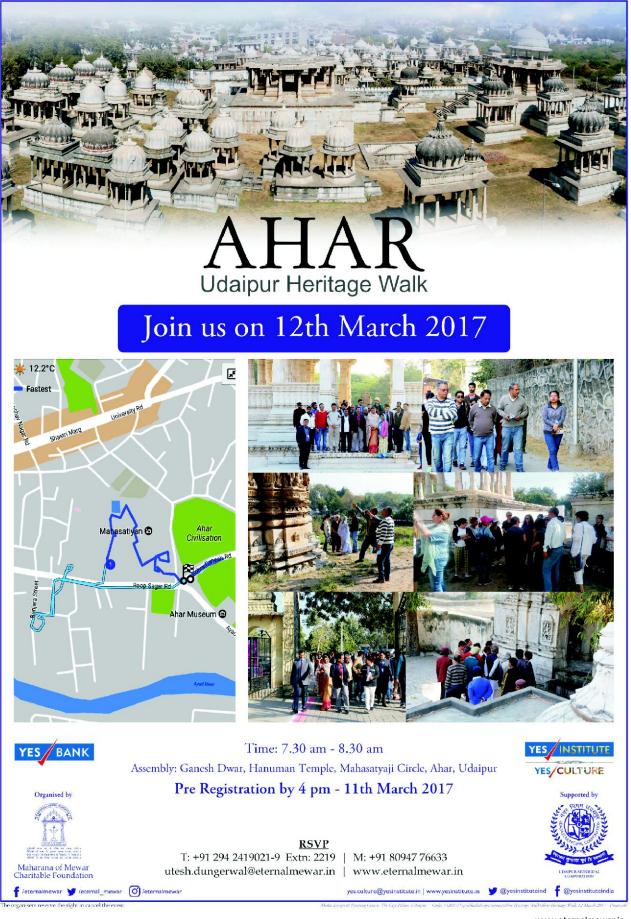
M.: +91 9414163915



MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 6 : 12th March 2017





### MMCF Dossier January - April 2017

#### Ahar Udaipur Heritage Walk









### Newspaper Clippings

rajasthanpatrika.com राजस्थान पत्रिका . उदयपुर . शुक्रवार. 17.03.2017



नगर निगम का निर्णय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

rajasthanpatrika.com उद्दयपुर. विश्व विरासत दिवस पर अगले महीने उदयपुर के गणगौर घाट पर नगर निगम की ओर से आयोजन होगा। यह निर्णय नगर निगम की विरासत संरक्षण समिति की अध्यक्ष मंदाकिनी धायभाई की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई बैठक में किया गया।

सदस्यों ने कहा कि गत वर्ष की तुलना में इस बार आयोजन बेहतर हो। समिति ने हैरिटेज संरक्षण के तहत आयड़ क्षेत्र में यस बैंक व महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल टूस्ट के साथ संचालित हैरिटेज वॉक की समयावर्षि भी बढ़ाने का निर्णय किया। बैठक में कंसलटेंट धरोहर के प्रतिनिधि मानस ने मेवाड़ वास्तुकला का सर्वे प्रस्तुत किया।



ordace danne, n und zon D

# हेरिटेज वॉक की समयावधि को बढ़ाया

उदयपुर। विरासत संरक्षण समिति की लैठक मैं हेरिटेज वॉक की समयावधि को बढ़ाया गया है। इसके अलावा विश्व विरासत दिवस पर गणगौर घाट पर कार्यक्रम रखने का भी प्रस्ताव पास किया गया। समिति अध्यक्ष मंदाकिनी धावाई ने बताया कि वर्तमान में यस बैंक व महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन तथा नगर निगम द्वारा संचालित हैरिटेज वॉक की समयावधि बढ़ाने पर विचार कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। उसके उपरान्त कन्सलटेंट धरोहर के प्रतिनिधि मानस द्वारा मेवाड़ वास्तुकला का डिटेल सर्वे प्रस्तुत किया गया। इसमें मेवाड़ आर्किटेक्चरल के प्रमुख घटक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सदस्य पंकज भण्डारी ने बताया कि 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस पर गणगौर घाट पर आयोजन किया जाएगा। बैठक में सदस्य नमिता टांक, रेखा पालीवाल, रेखा जैन, पंकज भण्डारी, गणपत सोनी, मनीष अरोड़ा अधिशाषी अभियन्ता, हरिश त्रिवेदी सहायक अभियन्ता, नंदलाल सुधार कनिष्ठ अभियन्ता एवं कोमल सिंघल, यस बैंक के मानस शर्मा उपस्थित थे।



Ahar Udaipur Heritage Walk

### **Guest Comments**

#### Hello!

'Ahar Udaipur Heritage Walk' is a great initiative. I attended the Heritage Walk on last sunday, i.e. March 12, 2017. Being a student of architecture and a resident of Udaipur, the experience was full of knowledge and of historical appreciation. Kudos to MMCF for taking such initiatives and good wishes for future endeavours.

Regards,

Kulgaurvi Singh Ranawat

B. Architecture (V Year)

M.B.M. Engineering College, JNVU

Jodhpur

18.03.2017

#### Sir

The heritage walk organised by Eternal Mewar on March 12,2017 was a beautiful and fruitful experience. I got to know the history of cenotaphs, the kund, the temple of Meerabai; which I had never heard of, despite of living in the neighbourhood of Ahar. It added to my knowledge of history, culture, arts and architecture.

I would like to Thank you and Eternal Mewar trust for organising it and I would like to be a part of many more walks around the heritage of the city.

Regards!

Daksh Jain

B. Arch. 4th year

Dept. Of Architecture and town planning

M.B.M. Engineering College, Jodhpur

Address: 2-b, Adarsh Nagar, University road, Udaipur

Temporary address : Room no.28 Oswal Chhatrawas, near Mahavir complex, Targhar, Sardarpura Croad, Jodhpur

7568912680

17.03.2017

Dear sir.

I was grateful to be a part of the walk organised by you. The information given and knowledge shared about our heritage was and beautiful.

As an architectural student I appreciate the work done by your team and thank you as it proved to be a really useful walk.

Thanking you,

Vipul Jain

B.Arch IV Year.

Department of Architecture and Town Planning,

M.B.M Engineering College, Jodhpur

Ph-9982609826

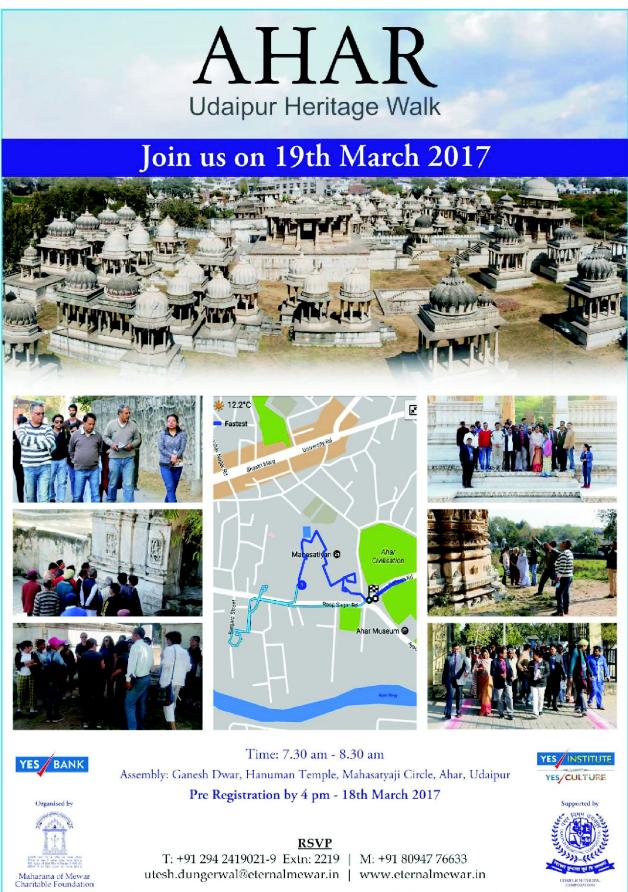
17.03.2017



MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 7 : 19th March 2017



yes.culture@yesinstitute.in | www.yesinstitute.in 🛛 🎔 @yesinstituteind 🦙 👎 @yesinstituteindia

f /eternalmewar 🈏 /eternal\_mewar 🛛 🏹 /eternalmewar

eserve the right to cancel the even



### MMCF Dossier January - April 2017













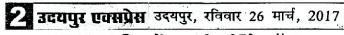






Ahar Udaipur Heritage Walk

### Newspaper Clippings



# आहड़ महासतिया में आज होगा हेरिटेज वॉक

उदयपुर । उदयपुर शहर में जीवंत लिए महाराणा मेवाड चेरिटेवल विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन के फाउण्डेरान उदयपुर, नगर निगम क्षेत्र में कार्य कर रही महाराणा मेवाड़ चेरिटेल फाउण्डेंशन उदयपुर ने विरासत में आहड़ महासतिया पर रविवार प्रातः संरक्षण की ओर एक और कदम बढ़ाते र.30 बजे हेरिटेज वॉक किया जाएगा । हुए शहर की प्राचीन स्थित आहड इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों महासतिया को प्यंटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया है । जहां पर रविवार को सुबह 7.30 बजे से हेरिटेज वॉक कर अर्था के सिंप को सुबह 7.30 बजे से सहाराणा मेवाडू चेरिटेबल मीरां मेदिर, जैन मंदिर, मट के साथ ही

महाराणा. मवाड् चारटवल भारा मादर, जन सादर, नव कसाव ल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक महासतिया के सामने वर्षों पूर्व संचालित अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया की जा रही पारंपरिक वाद्य वंत्रों की कि जीवंत विरासत को आगे बढ़ाने के स्थानों का अवलोकन करवाया जाएगा।

जय राजस्थान दिनांक : 26 मार्च, 2017

# आहड महासतिया में आज होगा हेरिटेज वॉक

उदयपुर, 25 मार्च। उदयपुर शहर में जीवत विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य कर रही महाराणा मेवाड़ चेरिटेल फाउण्डेशन उदयपुर ने विरासत संरक्षण की और एक और कदम बढ़ाते हुए शहर की प्राचीन स्थित आहड़ महासतिया को पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया है। जहां पर रविवार को सुबह 7.30 बजे से हेरिटेज वॉक का आयोजन होगा।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि जीवंत विरासत को आगे बढ़ाने के लिए महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर, नगर निगम उदयपुर तथा यश बैंक के तत्वावधान में आहड़ महासतिया पर रविवार प्रातः 7.30 बजे हेरिटेज वॉक किया जाएगा। उदयपुर. रविवार 26.03.2017



# राजस्थान पत्रिका rajasthanpatrika.com

# आहड़ महासतिया में हेरिटेज वॉक आज

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, नगर निगम उदयपुर तथा यश बैंक के साझे में रविवार सुबह 7.30 बजे आहड़ महासतिया पर हेरिटेज वॉक किया जाएगा।शोधार्थियों, गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड़ महासतिया की हेरिटेज वॉक कराया जाएगा।

# निक नवज्योति उदयपुर = रविवार = 26 मार्च, 2017

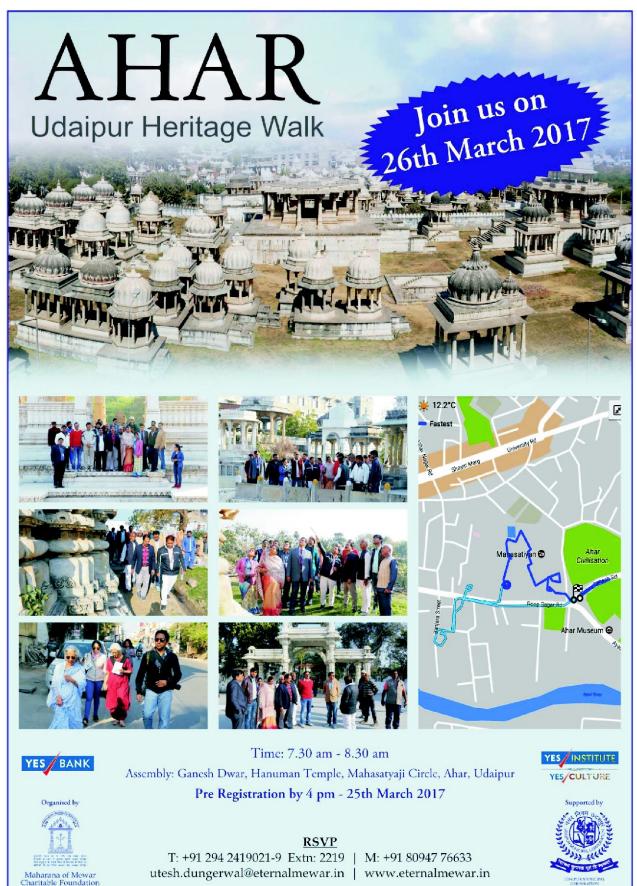
महासतिया में आज होगा हेरिटेज वॉक उदयपुर।महाराणा मेवाड् चेरिटेबल ाउण्डेशन की ओर से रविवार सुबह 7.30 बजे से आयड़ महासतिया में हेरिटेज वॉक का आयोजन होगा। फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि फाउण्डेशन नगर निगम तथा यश बैंक के तत्वावधान में यह वॉक होगी। इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों, गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड़ महासतिया की हेरिटेज क करवाई जाएगी। वॉक के दौरान पूर्व राजपरिवारों को छतरियों, गंगोद्भव ग्ड, मीरां मंदिर, जैन मंदिर आदि स्थानों का अवलोकन करवाया जाएगा।



MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 8 : 26th March 2017



🕈 (eternalmewar 💓 /eternal\_mewar 🛛 🔘 /eternalmewar

yes.culture@yesinstitute.in | www.yesinstitute.in 🛛 😏 @yesinstituteind 🦙 🛉 @ye



### MMCF Dossier January - April 2017



















# MMCF Dossier January - April 2017

#### Ahar Udaipur Heritage Walk













### **Newspaper Clippings**





हेरिटेज तॉक करते पर्यटक एवं शोधार्थी

दयपुर। उदयपुर शहर में जीवंत विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य कर रही महाराणा मेवाड चेरिटेल फउण्डेशन उदयपुर ने विरासत संरक्षण की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए शहर की प्राचीन स्थित आहड़ महासतिया को पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया है। जहां पर रविवार को हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। महाराणा मेवाड़ चेरिटेवल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि जीवंत विरासत को आगे बढ़ाने के लिए महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फउण्डेशन उदयपुर, नगर निगम उदयपुर, तथा यश बैंक के तत्वावधान में आहड़ महासतिया पर रविवार प्रात: हेरिटेज वॉक किया गया। इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों, गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड़ महासतिया की हेरिटेज वॉक करवाई गई। इस हेरिटेज वॉक के दौरान पूर्व राजपरिवारों की छतरियों, गंगोद्भव कुण्ड, मीरां मंदिर, जैन मंदिर, मठ के साथ ही महासतिया के सामने वर्षों पर्व संचालित की जा रही पारंपरिक वाद्य यंत्रों की स्थानों का अवलोकन करवाज गया।



जय राजस्थान दिनाक : 28 मार्च, 2017 पेज : 4

उदयपुर, 27 मार्च। उदयपुर शहर में जीवंत विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य कर रही महाराणा मेवाड चेरिटेल फाउण्डेशन उदयपुर ने विरासत

संरक्षण की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए शहर की प्राचीन स्थित आहड महासतिया को पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया

कि जीवंत विरासत को आगे बढ़ाने के लिए महाराणा मेवाड चेरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर, नगर निगम उदयपुर तथा यश बैंक के तत्वावधान में आहड महासतिया पर रविवार प्रातः हेरिटेज वॉक किया गया।

इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों, गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड़ महासतिया की हेरिटेज वॉक करवाई गई। इस हेरिटेज वॉक के दौरान पूर्व राजपरिवारों की छतरियों, गंगोद्भव कुण्ड, मीरां मंदिर, जैन मंदिर, मठ के साथ ही महासतिया के सामने वर्षों पूर्व संचालित की जा रही पारंपरिक वाद्य यंत्रों की स्थानों का अवलोकन करवाया गया।

है। जहां पर रविवार को हेरिटेज वॉक का

आयोजन

किया

www.eternalmewar.in 25

**Eternal Mewar News** 

3



Ahar Udaipur Heritage Walk

दैनिक भारकर उदयपुर, मंगलवार 28 मार्च, 2017 04

आहड़ महासतिया में हुआ हेरिटेज वॉक महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन, नगर निगम और यश बैंक के साझे में आहड़ महासतिया पर हेरिटेज वॉक हुई। इस मौके पर शोधार्थियों, गाइडों और इतिहासकारों को आहड महासतिया की हेरिटेज वॉक करवाई गई।

rajasthanpatrika.com 05 राजस्थान पत्रिका . उदयपुर . मंगलवार. 28.03.2017

# हेरिटेज वॉक में ली जानकारी

उदयपुर. महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन, नगर निगम और यश बैंक की ओर से आयड़ स्थित महासतिया में हेरिटेज वॉक का आयोजन हुआ। प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि शोधार्थियों, गाइडों और इतिहासकारों ने हेरिटेज वॉक की। मीरा मंदिर, जैन मंदिर व छतरियों की जानकारी ली।

दैनिक नवज्योति उदयपुर = मंगलवार, 28 मार्च, 2017 आहड़ महासतिया में हुआ हेरिटेज वॉक



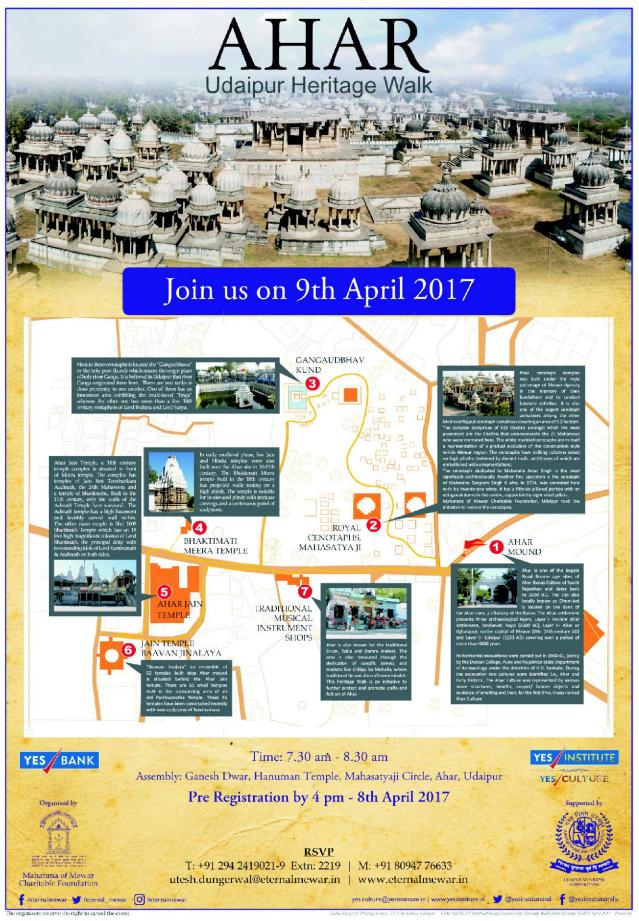
उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन ने विरासत संरक्षण के तहत शहर के प्राचीन आहड़ महासतिया को पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए नया मुकाम बनाया है। यहां पर रविवार को हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि आयोजन फाउण्डेशन, नगर निगम तथा यश बैंक के तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर वहां उपस्थित शोधार्थियों, गाइडों एवं इतिहासकारों को संपूर्ण आहड़ महासतिया की हेरिटेज वॉक करवाई गई। वॉक के दौरान पूर्व राजपरिवारों की छतरियों, गंगोद्भव कुण्ड, मीरां मंदिर, जैन मंदिर, मठ के साथ ही महासतिया के सामने वर्षों पूर्व संचालित की जा रही पारंपरिक वाद्य यंत्रों की स्थानों का अवलोकन करवाया गया।



MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 9 : 9th April 2017





### MMCF Dossier January - April 2017















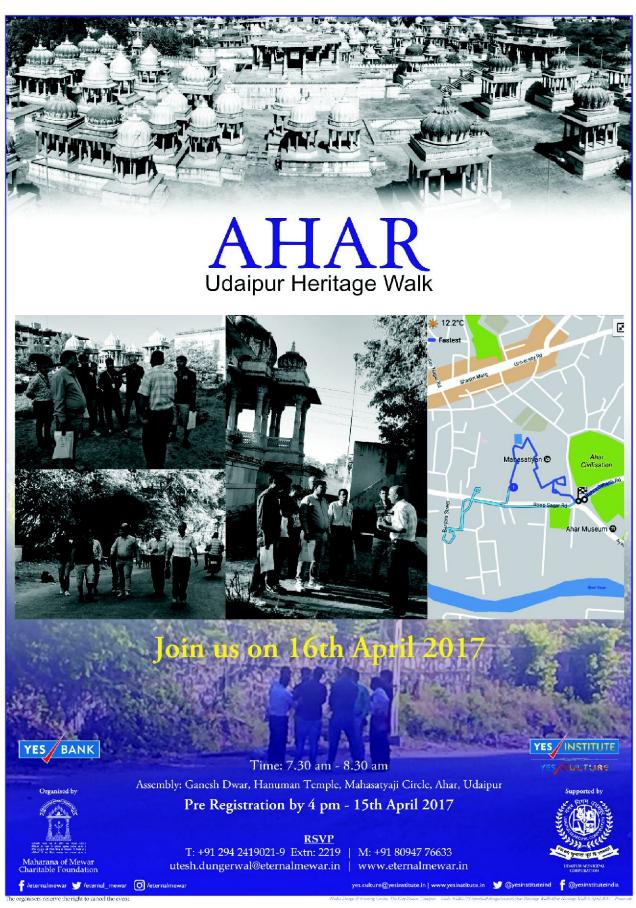




MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

Walk No. 10 : 16th April 2017





### MMCF Dossier January - April 2017



















MMCF Dossier January - April 2017

Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 11 : 23rd April 2017

# AHAR Udaipur Heritage Walk

# Join us on 23rd April 2017











### YES BANK

Organised by

Maharana of Mewar Charitable Foundation

/eternalmewar 😏 /eternal\_mewar 🛛 🧿 /eternalmewar

Time: 7.30 am - 8.30 am Assembly: Ganesh Dwar, Hanuman Temple, Mahasatyaji Circle, Ahar, Udaipur Pre Registration by 4 pm - 22nd April 2017



M: +91 80947 76633

yes.culture@yesinstitute.in | www.yesinstitute.in 🍯 @yesinstituteind - 🛉 @yesinstitute







### MMCF Dossier January - April 2017





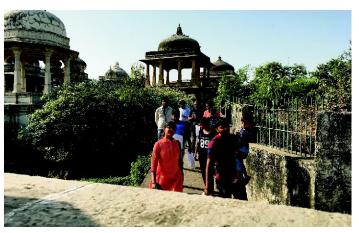








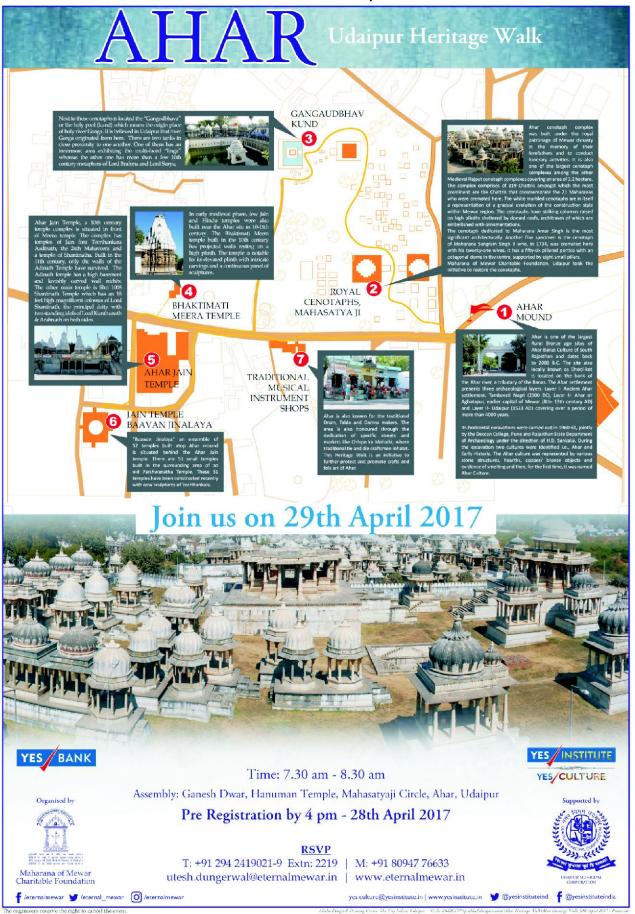






Ahar Udaipur Heritage Walk

### Walk No. 12 : 29th April 2017





### MMCF Dossier January - April 2017



















Ahar Udaipur Heritage Walk

### **Newspaper Clippings**

# ARBIT it happens here...





# **A Unique** Cremation Ground

The Ahar cenotaph complex near Udaipur is a unique example of memorial and ceremonial architecture. The cenotaph complex is also one of the largest cenotaph complexes among the other medieval Rajput cenotaph complexes, covering an area of 3.2 hectare. What makes this complex and more unique is its sacred linkage with a holy Gangod Bhava Kund, popularly called Gangu Kund. Ahar was also the site of ancient settlement that predated Udaipur by three-and-a-half millennia. And just 150m along the road from the royal cremation ground, the Ahar Government Museum contains copper and pottery objects more than 3300 years old, plus sculptures of Hindu gods and Tirthankars from the 8th to 16th centuries CE, discovers Mini Singh

# y the river Ahar, almost 3 km away Yrom Udalpur, lies Mahasatyaji. com-monly known as Ahar Cenotaphs. To term them as relics of the past, would be a misnomer. For even today in the ophony of modern lift, they and apart and resilient, rem-cent of a tradition, where the esstors/denarted soulls were

a tradition, where the /departed souls were rith not just mud and at architectural embell-to hold generations in

ar out architecturat embel-ents to hold generations in or of the mediceal Rajput us. They had their own char-istic architecture, with chat-domes and distinctive pillars, arvel of architecture excel-sitic architecture, with chat-domes and distinctive pillars, arvel of architecture excel-sit cenotoph complexes of stan. is also probably the cenotoph complexes of stan the tis well-maintained come an added tourist attrac-in the City of Lakes. this shan that is wear built over ears ago and forms a signifi-component of Mewar's here. I thouses 319 cenotophs of ar. Then there are cenotophs of ar Then there are cenotophs of ar then there are cenotophs are prominent clans. Unlike cenotoph just built in the oury of the former rulers, marks the site as one where eremonial fnuneral rites and rituals were also conducted. ory beart testimony to the that nineteen Maharanas

Since the cenotaph complex was associated with the funeral rites and rituals, this complex in the past was never really the focus of attention nor did it received the acknowledgement it deserved.



The construction of the second structure of the second



1 100

INNER

However, the est addition the mem the lat-tion to emorial nts is Udaipur's monuments is that of Udaipur's last Maharana, Bhagwat Singh (1955

Cenotaph of Maharana Amar Singh

pro Ho

A significant component of Mewar's heritage, these monuments have striking columns raised shellered by ' hitrayes' al w' HERITAGE-I

big platform roofs. The a are embellis tion that rep century ter prms sheltered by arched e architraves of the roofs ellished with ornamenta-reminds visitors of 15th temples. On the single stone of these architrav-e is an image of Lord d a figure representing a with his Satis (his ho immolated in his cre-flames) ho immorated and flames). "The religious and memorial linkages make



nificant site of Living Heritage in present day context," says Mayank Gupta, deputy secretary of the Maharana of Mewar Charitable Foundation (MMCF). It was in the late 1990s that Arvind Singh Mewar took the ini-tiative to reinstate the cenotaphs of bie avecators. The vectorston



ed at

ath dRb ett

marble cenotaph. Rana Sangram Singh II (March 24, 1690 - January 11, 1734) a great builder himself, was cremated at Ahar. But among all the cenotaphs the one dedicat-ed to Rana Sangram Singh II is an

all the consigns the one occus-ed to Rana Sangram Singh II is an architectural marvel. What makes Malasate with unique hand or waterbody and its surrounding. Ahar settlement. The Gangod Bhava Kund and an ancient temple dedicated to Lord Shiva is considered very sacred, historically these were places of pligrimage for the people of Newar region. Since the ceno-taph complex was associated with the funeral rites and rituals, this complex in the past, was never. the ceno-s associated ral rites and s complex in was never he focus of ituals, this complex in the past was never really the focus of attention nor did it received the acknowledgement it deserved. But if we go beyond the immediate asso-ciation, there is much more to

#### TT

Cenotaphs were an integral logart of the medieval Rajput towns. They had their own characteristic architecture, with chartris, domes and distinctive pillars. Mahasatyaji is also probably the only cenotaph complex in Rajasthan that is well-maintained

significant part of a bygone era. Ahar is not merely the brick and mortar heritage of the ceno-taph complex. Near this complex, there is a small museum that has a rare collection of antiques of a bygone era. It is an ancient site darchaeological work. Las been undertaken in the past. The site dates back to the Copper Age and four and from the past. The site dates back to the Copper Age and four and from the past. The site dates back to the Copper Age and four and from the bast. Government Museum contain cooper and pottery objects mor than 3300 years old, plus scull tures of Hindu gods an *Tirthenkars* (great Jain teacher Amar's built heritage, natur heritage today makes it a uniqu site for visitors, pligrims, st dents and professionals draw from the fields of history archae logg, architecture and conserva

tion. To be continued writetoarbit@



Ahar Archaeological Museum



Archaeological Muse The Archaeological Museum in Ahar is another attraction that is gaining popularly these days. Ahar museum is made to preserve the excavated items of the ancient period by the Government. This museum houses an unusual assortment of antiques that date back to the 10th century. Here you can see earthen pots, iron objects and other artefacts that used to be part of the lifestyle of primordial people. The museum doesn't comprise mus objects that these used to the these used to the set of the museum doesn't comprise museum back to part the used to the set of the arther the set of the museum of the set of the arther of the set of the museum doesn't comprise museum of the museum of the set of the arther of the arther of the arther of the museum of the arther of the arther of the arther of the arther of the museum of the arther of the

Unusual minings are worth seeing. These objects have been excavated and collected by the artment optical unusual type of earthen potter will grab your attention. Some objects are acknowledged to date back to 1700 BCL: A metal figure of Lord Buddha of the tenth century is another attraction. Amongst the assortment of sculptures, a statue of Vishnu Nag-Nathan is also worth mentioning.

mentioning. Many of the items are known to have been Many of the items are known to have been excavated from the mound of Dhuktor, to be the site of 4,000 yeas old township. You can see a skin scrubber, grain pot, aminal figures stone weights, balls and seals that date back to the 1st century BCE. Terracotta toys, pottery remainst and a huge earthen pot are the other exhibits in the museum. Above all, the museum portraps some of the best relics of ancient ages.



Ahar Udaipur Heritage Walk

### **Newspaper Clippings**

ARBIT it happens here...

# **Salvaging the Living Heritage of Mewar** Walk the Talk in Ahar



The conservation master plan for developing the Ahar cenotaph complex, including the archaeological museum and promoting heritage walks provides guidelines for future intervention and development and aims to serve as a model in heritage management in Rajasthan. Exhaustive surveys and planning of this unique 400 - year-old historic complex were conducted, with regular documentation at all stages. The guidelines formulated ensured that the key learnings would cover traditional techniques and materials, and historic architectural styles of Mewar, writes **Mini Singh** 

he Ahar cenotag complex was bui under the royo metronage their forefathe and to conduc funerary activitie Recently at tharrana of Mewar Charitab undation (MMCP took un the

responsibility to conserve two contaphs. The mission was to restore these cenotaphs sensitively and give it their due place in the architectural history of Mewar and as an integral part of its living heritage. The challenge before Arvind Sinch Mewar the necesnt

Chairman and Managin Trustee of MMCF and the 76t Custodian of the House o Mewar, was to find sustainabl models to preserve the heritag of Mewar while integrating th traditional with the contemp raw for future appreciations

rary for fulling generations, in thoughts on developing a model that will protect the tangible and intangible living heritage of Mewar and will also be a practiment. In the contemporary sosnario, there is a need to move away from singular cultural identification, however unjugi it identification, however unjugi it identification, the set of the tobs. We envision Udaipur as destination that is the embodiment of a living heritage that is sustaining the essence of the itself with modern elements:

To maintain the continuum of the past, present and the future, the initiative also involved architecture students, historians and research scholars for whom doc-



ahasatyaji is one of the largest cenotaph complexes in Rajasthan

#### INNER HERITAGE-II

nentation, conservation and eservation of historical buildgs was an important academic ercise. The exhaustive mservation Management Plan Ahar cenotaph complex was "mulated in 2013 - 14. While the Development & search Organisation for

b) planned the approach and hodology for the project, it is supported by The Anthony bins Foundation USA. The servation master plan not y provides guidelines for are intervention and developnt but also aims to serve as a

del in heritage management Rajasthan. Exhaustive surveys and planig of this unique 400 - year · old toric complex were conducted,



dbhava' or the holy pool believed to be the origin of the 0

ing members, follows a megages of carving and one as existing on the technique used for the technique used for this respecting the heat this respecting the heat of Mewar, suid MMCF Mayank Gupta. The conservation masing forth to dissemition for the dissemition for the dissemisive work, MMCF is interach programmes as preparing further farwings for thaking up a works. The Anar m works. The Anar m works. The Anar m works the most building the methy of the technic of the technic multiplicity.

threach initiatives. "For us at the Maharana of ewar Charitable Foundation, e Ahar cenotaph complex is other example of 'living herige, away from the City Palace t an integral part of its histo-" says Arvind Singh. neluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Monor a manufactoria and manufactoria an

CF Charitable Foun Udalpur was ins as- and assist every realise a special is hierarchy of Goo hierarchy of Goo nas upon principles upon principles up which are its un ar structure and str

> in 1977, Pariament the Constitution, and th were reduced by the ab removal of that respect they had earned throug centuries of service. No amongst other things, 1 would also be liable to duty like anyone else, a

to serve the serve the model of the server of the model of the server of

table trids to write the ted the main portions of City Palace, as well as a derable endowment. Thus, vaharana Mewar itable Foundation came existence on the 20 ber, 1969. Its funds derive from interest on the



nearths, copper/ bronze projecte d evidence of smelting. plinth. T st time, it was named elevated une. show that Ahar's living sculptur

was an uninhabilited in known as Tambavati en known as Tambavati en attraction that was er attraction that was effet to preserve the di items. The museum Sha the sha the sha di tems. Sha bout As ar old, have also been be early inhabilants of this with

Mahasatyaji is one of the largest enotaph complexes among other fedieval Rajput cenotaphs. The plendid architecture, beautiful orans, Chhatris and Chabutras nat recall the contributions of the faharanas of Mewar who lived ere and devoted themselves for

A short walk away from the centralph is 'Gangodhawa' or the holy pool (kund) which is believed to be the origin of the Ganges. There are two tranks in proximity to prevent or tarks in proximity to momental rates exhibiting the multi-faced 'Itigom' whereas the other one has more than a few other one has more than a few other one has done of Lord Brahma and Lord' Surya. In the earty mediceal phase,

lence of a few Jain and compl les that were also built your v nar site in 10 - 11th Chhip en there is also the the tra Meera temple built in and h

certury arrive contacts as business complex has temples of the first Trithankar Adinath, the 24th Mahavir and a temple of Shantinath. Built in the 11th century, only the walls of the Adinath temple have survived. The basement and lacebly cancel walls nickes. The other main temple is Shi 100S Shantinath Temple is Shi 100S Shanting tols of Lord Shantinath, the principal doty, with two standing tols of Lord

oth sides. "Bawan Jinalaya", an ensemble if 52 temples built atop Ahar nound, is situated behind the har Jain temple. There are 51 mall temples built in the urrounding area of an old arshwanatha Temple. These 51 emples have been constructed events with new sculptures of

Terhakar, new Adopted So Buit its on Lyst condaphs and temples that Ahar is known for. In a striking picture of continuity, traditional instruments -Drum, Tabia and Burnur - makers' colony has existed over generations. And Just to chip into the conservation of the Ahar complex, you could at the end of your walk simply stop at the Chiplo ka Michaila and shop from the traditional tile & dye artasans and help them suitain their craft.

MMCF is vast and embraces all avenues of service to the community that was planned by the late Maharana Bhagwat Singh Mewar. After the severance of the states of India, when Maharajas and the Maharana no longer held the social and cvic responsibilities that they were used to. The Aouse of Mewar decided on another course of activity – they decided to continue with their becide to continue that would be conducive, and would comply with the curriculum liaid down by new independent India. The activities of the MMCF are one such highlight into the enterprise of the House of Mewar.

#### Acknowledgements:

Shree Eklingji Trust, Udaipur; Archaeological Survey of India; Shree Jain Shwetamber Ahar Tirth, Udaipur; DRONAH, Gurgaon; Ms. Niriti Porwal, Udaipur; Mr. Manas Sharma, Udaipur.